

भारतीय ज्योतिष विज्ञान परिषद् (पंजी०) चेन्नई

ज्योतिष प्रवीण परीक्षा : दिसम्बर-2009

प्रश्न पत्र-I

समय : 3 घण्टे

कुल अंक : 50

कोई भी पाँच प्रश्न हल करें। प्रश्न 1 तथा 6 अनिवार्य हैं। दोनों भागों में से कम से कम एक-एक प्रश्न का चयन करते हुए तीन अन्य प्रश्नों के उत्तर दें। सब प्रश्नों के अंक समान हैं।

भाग-I (साधारण ज्योतिष)

1. कर्म सिद्धान्त की व्याख्या करें। कर्मों की विभिन्न श्रेणियों के बारे में बताइए।
2. किन्हीं पाँच का उत्तर दें :-
क. हिन्दु वैदिक समाज में ज्ञान को किस प्रकार संजो कर रखा गया व उसका प्रसार कैसे हुआ?
ख. ज्योतिष के दो उपयोग बताएं।
ग. शकुन का क्या महत्त्व है?
घ. वराहमिहिर के बारे में आप क्या जानते हैं?
ङ. श्रेयस व प्रेयस कर्म के बारे में लिखें।
च. प्रारब्ध कर्म क्या हैं?
3. किन्हीं पाँच का उत्तर दें :-
क. जन्म पत्रिका में मोक्ष भाव कौन से होते हैं?
ख. वैद्यनाथ व मंत्रेश्वर की रचनाएं लिखें।
ग. जन्म पत्रिका में जीवन साथी व सन्तान किस स्थान से देखते हैं?
घ. वेदांगों के नाम लिखें।
ङ. सूक्ष्म शरीर क्या है?
च. स्कन्धत्रय क्या है?
4. क्या ज्योतिष विज्ञान है? चर्चा करें।
5. भाग्य वह पर्दा है जिसके पीछे इंसान अपने दुष्कर्म को छुपाता है। क्या यह सही है? चर्चा करें।

भाग-II (ज्योतिष से सम्बंधित खगोल शास्त्र)

6. वैदिक व पार्श्व्यात्य ज्योतिष सिद्धान्तों में क्या भिन्नताएं हैं?
7. यदि सूर्य के निरायन भोगांश 102 अंश है तो धूम पथ, परिधि, इन्द्रचाप और सिखि की गणना करें।
8. यदि सूर्य के भोगांश सिंह 3:47 व चन्द्र के सिंह 17:06 है तो तिथि, नक्षत्र, योग एवं करण की गणना करें।
9. किन्हीं दो का उत्तर दें :-
क. समझाएं कि क्यों सूर्य व चन्द्र कभी वक्री नहीं होते हैं।
ख. पंचांग क्या है?
ग. चन्द्र सौर वर्ष का सिद्धान्त समझाएं।
10. किन्हीं दो का सचित्र उत्तर दें।
क. चन्द्र की कलाएं ख. ऋतु परिवर्तन घ. राहु व केतु

भारतीय ज्योतिष विज्ञान परिषद् (पंजी०) चेन्नई

ज्योतिष प्रवीण परीक्षा : दिसम्बर-2009

समय : 3 घंटे

प्रश्न पत्र-II

कुल अंक : 50

कोई भी पाँच प्रश्न हल करें। प्रश्न 1 तथा 6 अनिवार्य है। दोनों भागों में से कम से कम एक-एक प्रश्न का चयन करते हुए तीन अन्य प्रश्नों के उत्तर दें। सब प्रश्नों के अंक समान हैं।

भाग-I (गणित ज्योतिष)

1. एक जातक का जन्म 10.12.2009 को सांय 8.30 बजे हैदराबाद में हुआ। उसके लिए लग्न एवं ग्रह स्थिति की गणना करें।
2. निम्न में से किन्हीं दो का उत्तर दें :-
लग्न 193:14, सूर्य 168:22, चन्द्र 120:10, मंगल 207:39
बुध 193:09, बृहस्पति 30:25, शुक्र 205:53, शनि 229:57, राहु 103:36
क. सप्ताश बनाए
ख. नवाश बनाए
ग. सभी ग्रहों व लग्न का नक्षत्र पद बताएं।
3. परिवर्तित करें :-
क. 13:05 घण्टे को घटी विघटी में
ख. 13.50 घटी को घण्टे मिनट सेकण्ड में
ग. ग्री.मी.टा. व दिल्ली के स्थानीय समय में अंतर
घ. भा. मा. स. जब सिडनी में 6.00 बजे हैं।
4. षड्वर्ग क्या है? सभी के नाम बताते हुए उनकी महत्ता पर चर्चा करें।
5. निम्न का उत्तर दें :
क. किसी जन्मांग में बृहस्पति कर्क में है। यह किस नक्षत्र में होना चाहिए ताकि बृहस्पति वर्गोत्तम हो सकें।
ख. किसी जन्मांग में शुक्र राशि में नीच का व नवाश में उच्च का है तो शुक्र किस नक्षत्र में होगा।
ग. किसी जन्मांग में बुध शतभिषा नक्षत्र में नवम भाव में है तो लग्न क्या होगा?
घ. किसी जातक को जन्म पर मंगल की महादशा मिली है तो चन्द्रमा किन-किन नक्षत्र में हो सकता है?
ङ. किसी जातक का जन्म गंडान्त में हुआ है। इस जातक का चन्द्रमा किस नक्षत्र में हो सकता है।

भाग-II (फलित ज्योतिष)

6. महर्षि पराशर द्वारा दिए आयु निर्धारण के सिद्धान्त पर विस्तार से चर्चा करें।
7. ग्रह की अवस्था से आप क्या समझते हैं व उनका क्या फल होता है?
8. किन्हीं पाँच का उत्तर दें :-
i) सभी लग्नों के मारक ग्रह
ii) गंडान्त का फल
iii) त्रिषडायाधिपति
iv) बालारिष्ट में चन्द्रमा का योगदान
v) केमदुम भंग योग
vi) महाभाग्य योग
9. प्रश्न 2 में दिए जन्मांग के आधार पर किन्हीं पाँच का उत्तर दें :-
i) इस जन्मांग के योग कारक ग्रह।
ii) चन्द्र का नक्षत्र पद।
iii) बृहस्पति किन भावों पर दृष्टि डाल रहा है?
iv) लक्ष्मी नारायण योग क्या हैं? क्या यह इस जन्मांग में हैं?
v) इस जन्मांग के लिए नवाश लग्न क्या होगा?
vi) पंचमेश किस भाव में हैं।
10. 10 दिसम्बर 2009 को प्रातः 5.30 पर जन्मे जातक को कौन सी देशा शेष मिलेगी। जातक की तीसरी महादशा की अन्तर दशाएं ज्ञात करें।

भारतीय ज्योतिष विज्ञान परिषद् (पंजी०) चेन्नई

ज्योतिष प्रवीण परीक्षा : दिसम्बर-2009

प्रश्न पत्र-III

समय : 3 घन्टे

कुल अंक : 50

कोई भी पाँच प्रश्न हल करें। प्रश्न 1 तथा 6 अनिवार्य हैं। दोनों भागों में से कम से कम एक-एक प्रश्न का चयन करते हुए तीन अन्य प्रश्नों के उत्तर दें। सब प्रश्नों के अंक समान हैं।

भाग-I (ज्योतिष योग)

1. कम से कम चार ऐसे योगों, जो निम्न जन्मांग में हो, के फल की चर्चा करें।
लग्न कुम्भ 10:53, सूर्य तुला 07:33, चन्द्र धनु 16:58, मंगल वृश्चिक 17:46, बुध वृश्चिक 00:49, बृहस्पति कन्या 16:32, शुक्र वृश्चिक 22:10, शनि मकर 16:51, राहु कुम्भ 03:21 (24.10.1933, 14:15, पुरी)
2. कर्म क्षेत्र के लिए किन तथ्यों को देखा जाता है? उपरोक्त जन्मांग में कार्य क्षेत्र पर प्रकाश डालें।
3. किन्हीं चार पर संक्षिप्त में लिखें :-
i) श्रीकान्त योग ii) भावात् भावम्
iii) वसुमान/वसुमति योग iv) योग कब फल देते हैं।
v) सप्त वर्ग में विमसोपाक बल
4. किन्हीं चार का संक्षिप्त में उत्तर दें :-
i) किस वर्ग कुण्डली से संतान, पौत्र व उनकी सम्पन्नता आदि देखी जाती है?
ii) नवाश कुण्डली से कौन से पहलु देखे जाते हैं?
iii) मंगल की तृतीय भाव स्थिति के क्या सामान्य फल होते हैं?
iv) लक्ष्मी योग के क्या फल हैं?
v) धन सम्पत्ति के लिए कौन कौन से भावों का अवलोकन करना चाहिए?
5. निम्न का उत्तर दें :-
i) पंचम व नवम भाव का महत्व
ii) राहु के नक्षत्र में जन्मे जातकों के गुण

भाग-II (दशा व गोचर)

6. निम्न दशाओं के सामान्य फल बताएं :-
i) यदि बृहस्पति चतुर्थ भाव स्थित हो
ii) यदि सूर्य सप्तम भाव में
iii) यदि राहु लाभ भाव में
iv) यदि शुक्र व्यय भाव में
7. प्रश्न 1 में दिए जन्मांग में शुक्र की महादशा में सभी अन्तर दशाओं के फल बताएं।
8. किन्हीं दो का उत्तर दें :-
i) निरणय मूर्ति सिद्धान्त
ii) मंगल महादशा में सभी अन्तर दशाओं के फल
iii) वेध, विपरित वेध और वाम वेध के नियम
9. बृहस्पति के परयाय फलों पर चर्चा करें
10. कन्या राशि में शनि के गोचर का सभी राशियों पर क्या प्रभाव पड़ता है?

भारतीय ज्योतिष विज्ञान परिषद् (पंजी०) चेन्नई

ज्योतिष प्रवीण परीक्षा : दिसम्बर-2009

प्रश्न पत्र-IV

समय : 3 घंटे

कुल अंक : 50

कोई भी पाँच प्रश्न हल करें। प्रश्न 1 तथा 6 अनिवार्य हैं। दोनों भागों में से कम से कम एक-एक प्रश्न का चयन करते हुए तीन अन्य प्रश्नों के उत्तर दें। सब प्रश्नों के अंक समान हैं।

भाग-I (ताजिक शास्त्र)

1. निम्न जातक की 85 वें वर्ष की वर्ष कुण्डली बनाएं :-
जन्म तिथि - 3 जून 1924 (मंगलवार)
समय - 9:30:00
स्थान - 79 पू. 13, 11 उ. 59
2. ताजिक शास्त्र की मुख्य विशेषताएँ बताइए।
3. मुन्था क्या है? मुन्था व मुन्थेश की विभिन्न भावों में स्थिति के क्या फल हैं?
4. निम्न का उत्तर दें :
i) पुण्य सहम की गणना का समीकरण लिखें।
ii) रद्द योग क्या हैं?
iii) पंचाधिकारी कौन हैं?
iv) ताजिक शुभ व अशुभ दृष्टियाँ कौन सी हैं?
v) उच्च बल क्या है?
5. यम्य, नक्त, कम्बूल और गेरी कम्बूल योगों में अन्तर उदहारण सहित समझाएं।

भाग-II (मुहुर्त)

6. एकविंशति महादोष क्या हैं? समझाएं।
7. नक्षत्र क्या हैं? मुहुर्त में उसका क्या उपयोग है?
8. किन्हीं दो का उत्तर दें :-
i) तीन प्रकार के पंचक कौन से हैं?
ii) विवाह मुहुर्त में त्रिबल शुद्धि का क्या अभिप्राय है?
iii) मुहुर्त में लग्न का क्या महत्त्व है?
9. निम्न का उत्तर दें :-
i) सर्वार्थ सिद्धि योग कैसे बनता है?
ii) तिथि के पाँच प्रकार कौन से हैं?
iii) दग्ध योग कैसे बनता है?
iv) अभिजित मुहुर्त क्या है?
v) लत्ता क्या है?
10. गृह निर्माण व गृह प्रवेश के मुहुर्त में किन तथ्यों का ध्यान आवश्यक है, लिखें।